RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 165
दि. 14.10.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

पीएम मोदी ने कई राज्यों के किसानों से की मुलाकात, सामूहिक खेती का दिया सुझाव

नई दिल्ली (जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सामूहिक खेती की वकालत करते हुए सुझाव दिया है कि छोटे और सीमांत किसान अपनी जमीनों को साझा करके उच्च मूल्य वाली फसलें उगाएं और अपनी आय बढ़ाएं। शनिवार को प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) में आयोजित एक कार्यक्रम में किसानों से बातचीत की।

किसानों के साथ यह संवाद 35,440 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली कृषि क्षेत्र की दो प्रमुख योजनाओं का शुभारंभ करने से पहले हुआ। इस मौके पर मोदी ने 24,000 करोड़ रुपये की प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना और 11,440 करोड़ रुपये के दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ किया। संवाद के दौरान प्रधानमंत्री ने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने का आग्रह किया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उन्होंने एक चरणबद्ध नजरिया अपनाने का सुझाव दिया।

इसके तहत भूमि के एक हिस्से पर प्राकृतिक खेती का परीक्षण करना और बाकी पर पारंपरिक तरीकों को जारी रखना शामिल है।

विभिन्न राज्यों के कई किसानों ने प्रधानमंत्री के साथ अपने अनुभव साझा किए। मध्य प्रदेश के जबलपुर के एक युवा उद्यमी ने अपनी एरोपोनिक आधारित आलू बीज खेती का प्रदर्शन किया, जिसमें आलू बिना मिट्टी के ऊर्ध्वाधर संरचनाओं में उगाए जाते हैं। बयान के मुताबिक, इसे देखकर मोदी ने मजाकिया अंदाज में इसे 'जैन आलू' कहा, क्योंकि ऐसी उपज जैन धर्म को मानने वालों के आहार नियमों के अनुरूप हो सकती है, जो जमीन के नीचे उगने वाली सब्जियों से परहेज करते हैं।

हरियाणा के हिसार जिले के एक किसान ने बताया कि उन्होंने चार साल पहले काबुली चना उगाना शुरू किया था और अब तक प्रति एकड़ लगभग 10 क्विंटल उपज प्राप्त कर चुके हैं। मोदी ने फसल को बदलकर खेती करने के बारे में पूछा, खासकर यह कि क्या इससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में मदद मिलती है और क्या दलहनी फसलों को कृषि प्रणाली में शामिल करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

जवाब में, किसान ने कहा कि ऐसी फसलों को शामिल करना फायदेमंद साबित हुआ है। उन्होंने बताया कि चना जैसे दलहन उगाने से न केवल अच्छी फसल मिलती है, बल्कि मिट्टी को नाइट्रोजन से भी समृद्ध किया जाता है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक की

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश के सभी मंडल मुख्यालयों पर दिव्यांग पुनर्वास केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि UP Govt का उद्देश्य है कि कोई भी दिव्यांगजन समाज की मुख्यधारा से वंचित न रहे। प्रत्येक मंडल मुख्यालय पर अत्याधुनिक पुनर्वास केंद्र विकसित किए जाएं, जहां दिव्यांग व्यक्तियों को चिकित्सकीय, शैक्षिक, मनोवैज्ञानिक और व्यावसायिक सहायता एक ही स्थान पर मिल सके।

सरकार 'सेवा, संवेदना और सम्मान' के भाव से दिव्यांगजनों के समग्र सशक्तिकरण के लिए कृतसंकल्पित है।

वढ Govt का लक्ष्य है कि दिव्यांगजन केवल सहानुभूति के पात्र बनकर न रहें, बल्कि आत्मनिर्भर और योगदानकारी नागरिक के रूप में

समाज की मुख्यधारा में शामिल हों

जिन जनपदों में पहले से दिव्यांग पुनर्वास केंद्र संचालित हैं, उनकी सेवाओं को और सशक्त करते हुए मॉडल केंद्रों के रूप में विकसित किए जाएं।

जहां केंद्र नहीं हैं, वहां उन्हें प्राथमिकता के आधार पर स्थानीय जिला या सरकारी अस्पतालों के परिसर में स्थापित किया जाए ताकि चिकित्सकीय सुविधाओं के साथ इनका सहज समन्वय बन सके। यदि सरकारी अस्पताल में स्थान पर्याप्त नहीं है तो अलग भवन की व्यवस्था की जाए, वर्तमान में प्रदेश के 37 जनपदों में दिव्यांग पुनर्वास केंद्र कार्यरत हैं, इनमें 11 मंडल मुख्यालयों पर हैं।

इन केंद्रों में तकनीकी संसाधन और विशेषज्ञ मानवबल को सुदृढ़ किया जाए। प्रत्येक केंद्र में प्रशिक्षित फिजियोथेरेपिस्ट, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, प्रॉस्थेटिस्ट, ऑर्थोटिस्ट, स्पीच थैरेपिस्ट और काउंसलर की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए।

साथ ही, दिव्यांगजनों के लिए तकनीकी प्रशिक्षण, डिजिटल पंजीकरण, और ऑनलाइन ट्रैकिंग सिस्टम की सुविधा भी उपलब्ध करायी जाए ताकि सेवाओं की पारदर्शिता और निगरानी बनी रहे

उत्तराखंड : 8 अहम फैसलों पर मुहर, कर्मचारियों, महिलाओं और यूसीसी को लेकर बड़े निर्णय

(जीएनएस)।

उत्तराखंड कैबिनेट की बैठक में 8 अहम फैसलों पर मुहर लग गई है। सीएम धामी की अध्यक्षता में हुई बैठक में कर्मचारियों के लिए अहम फैसला लिया गया। राज्य कर्मचारियों की पदोन्नति के संबंध में अर्हकारी सेवा में शिथिलीकरण की नियमावली में संशोधन को मंजूरी मिल गई है।

इसके साथ ही यूसीसी पंजीकरण में भी संसोधन किया गया है। राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को कर के बाद के लाभांश (प्रॉफिट आफ्टर टैक्स) की 15% धनराशि को राज्य सरकार को देना होगा। इसके लिए कैबिनेट में अपनी मंजूरी प्रदान की।

उत्तराखंड महिला एवं बाल विकास अधीनस्थ सुपरवाइजर सेवा नियमावली 2021 के संशोधन को मंजूरी। सुपरवाइजर सेवा नियमावली के अंतर्गत सुपरवाइजर के पदों पर 50% सीधी भर्ती से एवं 40%

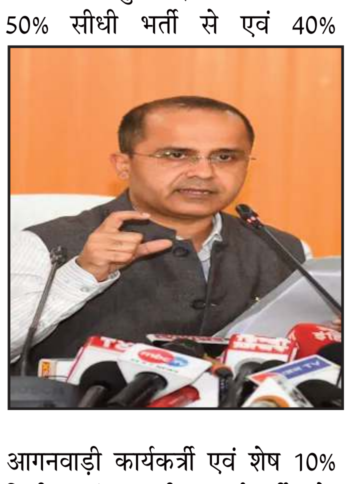

आगनवाड़ी कार्यकर्त्री एवं शेष 10% मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ती के पदोन्नति से भरे जाते थे।

भारत सरकार के दिशा निदेर्शों में राज्य के समस्त मिनी आंगनबाड़ी केंद्रों को पूर्ण आंगनबाड़ी केंद्रों में उच्चीकृत किया जाना है, ऐसे में मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ती से सुपरवाइजर पद पर होने वाले पदोन्नति के 10% कोटा को भी आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री के पदोन्नति कोटे में शामिल करते हुए आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री के पदोन्नति कोटे को 40% से बढ़ाकर 50% किया गया है।

रायपुर एवं उसके समीप क्षेत्रों के अंतर्गत जहां विधानसभा परिसर प्रस्तावित है, उस क्षेत्र को फ्रिज जोन बनाया गया था। अब कैबिनेट ने फ्रिज जोन में आंशिक संशोधन करते हुए इन क्षेत्रों में छोटे घरों (लो डेंसिटी हाउसों) और छोटी दुकानों के निर्माण की अनुमति दे दी है। जिसके मानक आवास विकास विभाग के द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

पुणे की अदिति पारथे भरेगी ठअरअ के लिए उड़ान, पिता हैं दिहाड़ी मजदूर, घर में नहीं है स्मार्टफोन और कंप्यूटर

पुणे जिले के निगुडाघर गांव की 12 वर्षीय अदिति पारथे ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से यह साबित कर दिया कुछ नामुमकिन नहीं है। सीमित संसाधनों के बावजूद, अदिति अब नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (NASA) के दौरे पर अमेरिका जा रही हैं।

दरअसल, पुणे के ग्रामीण स्कूलों के 25 छात्रों को नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (NASA) जाने के लिए चुना गया है। इन बच्चों में अदिति परथे भी शामिल हैं।

कर्ज के जाल में फंसता जा रहा बांग्लादेश, चीन को देने पड़े बंदरगाह, भारत के लिए टेंशन!

(जीएनएस)।

चीन की मजबूती फिर से दक्षिण एशिया में बढ़ती नजर आ रही है। हाल ही में चीन ने बांग्लादेश के मोंगला बंदरगाह विस्तार और विकास के लिए पूर्ण रूप से समझौता किया है। यह प्रोजेक्ट लगभग 400 मिलियन डॉलर का है, जिसका उद्देश्य बंदरगाह के आधुनिकीकरण और विस्तार को नई दिशा देना है। इस परियोजना को पूरा करने की जिम्मेदारी चीन की सरकारी कंपनी चाइना हार्बर इंजीनियरिंग कंपनी को सौंपी गई है।

भारत की बढ़ेगी टेंशन!

भारत ने साल 2018 में मोंगला बंदरगाह मार्ग का इस्तेमाल अपने पूर्वोत्तर राज्यों – जैसे त्रिपुरा, मेघालय आदि – तक सामान पहुँचाने के लिए किया था। तब भारत इस पोर्ट का प्रमुख व्यापारिक उपयोगकर्ता था। लेकिन अब स्थिति बदल रही है, क्योंकि चीन ने इस बंदरगाह के निवेश और विकास की पूरी जिम्मेदारी अपने हाथ में ले ली है। इससे भारत की रणनीतिक और आर्थिक चिंताएँ बढ़ना स्वाभाविक है।

क्या है चीन का असली इरादा?

अब सवाल यह उठता है कि आखिर चीन का इरादा क्या है? चीन और बांग्लादेश के बीच हुआ यह समझौता सिर्फ आर्थिक नहीं बल्कि

रणनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों देशों के बीच समुद्री मार्ग को सबसे आसान और लाभकारी माना जा रहा है, क्योंकि मल्लका बंदरगाह के जरिए चीन और बांग्लादेश भारत के रास्ते हिंद महासागर तक पहुँच सकते हैं। यह मार्ग चीन के समुद्री सिल्क रूट की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

BCIM कॉरिडोर से मजबूत होते आर्थिक रिश्ते

इस समझौते का एक और पहलू यह है कि बांग्लादेश दक्षिण एशियाई बाजारों में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहता है। इसके लिए वह BCIM कॉरिडोर के माध्यम से क्षेत्रीय व्यापारिक संबंधों को मजबूत कर रहा है। चीन की सहायता से टैक्स-फ्री ट्रेड और पश्चिमी व्यापारिक गलियारों को सक्रिय कर आर्थिक विकास को गति देने का प्रयास किया जा रहा है।

कर्ज के जाल में फंसाने की रणनीति?

हालांकि विशेषज्ञ इसे चीन की पारंपरिक नीति से जोड़कर देख रहे हैं। कई विश्लेषकों का मानना है कि चीन का असली उद्देश्य बांग्लादेश को कर्ज के जाल (ड्ढ३ ळ१ंस्र) में फंसाकर अपनी पैठ जमाना है। बांग्लादेश की आर्थिक स्थिति अभी भी कमजोर है; उसकी प्रति व्यक्ति आय पाकिस्तान से भी कम बताई जाती है। ऐसे में चीन की भारी निवेश नीति बांग्लादेश के लिए दीर्घकाल में जोखिम भरी साबित हो सकती है।

गरीब देशों पर नियंत्रण की पुरानी नीति

चीन की पुरानी नीति हमेशा से यही रही है – "गरीब देशों को कर्ज दो और बदले में उनकी जमीन या संसाधनों पर कब्जा करो।" श्रीलंका का हंबनटोटा बंदरगाह इसका ताजा उदाहरण है। अब बांग्लादेश में भी वैसी ही स्थिति बनती दिख रही है, जहाँ चीन की आर्थिक उन्नति और बांग्लादेश की गरीबी के बीच संतुलन बनाना कठिन हो सकता है।

हास्य सम्राट राजू तालीकोट (55) का सोमवार (13 अक्टूबर 2025) को उडुपी के मणिपाल अस्पताल में निधन

कन्नड़ सिनेमा और थिएटर के हास्य सम्राट राजू तालीकोट (55) का सोमवार (13 अक्टूबर 2025) को उडुपी के मणिपाल अस्पताल में निधन हो गया। दिल का तीसरा दौरा पड़ने से उनकी सांसें थम गईं। 'कलियुगदा कुडुका' नाटक से हजारों शो करने वाले राजू की मौत ने कन्नड़ जगत को 'अनाथ' कर दिया।

राजू तालीकोट (जन्मः 18 दिसंबर 1965, तालीकोट, विजयपुरा) के पिता जट्टेप्पा यंकांची और मां महबूबी थिएटर कलाकार थे। राजू ने खासगटेश्वर मठ में चौथी तक पढ़ाई की, फिर पिता की नाटक मंडली में बाल कलाकार बने। – पहली पत्नी प्रेमा तालीकोट : बचपन की शादी। प्रेमा से दो बेटे (भरतराज, दावल) और एक बेटी (हीना)। – दूसरी पत्नी प्रेमा सिंधनूर : प्रेम विवाह। प्रेमा से दो बेटियां (शाजिदा, शब्बू)। दोनों प्रेमाएं करीब हैं, राजू दोनों के साथ रहते। बिग बॉस कन्नड़, सीजन 7 में होस्ट सुदीप ने परिवार का परिचय देखकर कहा, 'पूरे परिवार का वोट मिला तो राजू सेफ।'

अखिलेश यादव ने सीएम योगी के लिए बोली ऐसी बात भड़क उठे अचार्य प्रमोद कृष्णम, कहा - राहुल गांधी का असर

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में हाल ही में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को "घुसपैठिया" कहे जाने वाले बयान पर सियासत गरमा गई है। इस बयान पर अब पूर्व कांग्रेस नेता अचार्य प्रमोद कृष्णम ने अपनी कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने कहा कि राजनीति में भाषा की मयार्दा बनाए रखना बेहद जरूरी है, लेकिन अखिलेश यादव ने इस परंपरा को तोड़ा है।

"भाषा का सम्मान जरूरी": अचार्य प्रमोद कृष्णम

अचार्य प्रमोद कृष्णम ने संभल में पत्रकारों से बातचीत में कहा, "राजनीति में भाषा का सम्मान होना चाहिए। उत्तर प्रदेश में यह परंपरा रही है कि पूर्व विधायक को भी 'माननीय' कहा जाता है। स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव ने इस परंपरा को जीवित रखा था। वे विपक्षी दलों के विधायकों को भी हमेशा आदरपूर्वक 'माननीय' कहकर संबोधित करते थे।"

उन्होंने आगे कहा कि मुलायम सिंह यादव के समय में राजनीतिक मतभेद होते हुए भी संवाद और सम्मान बना रहता था, लेकिन अब वह मयार्दा धीरे-धीरे खत्म होती जा रही है।

"दुर्भाग्य से अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 'घुसपैठिया' कहकर इस परंपरा को तोड़ा है। यह न केवल असंवेदनशील शब्द है बल्कि उत्तर प्रदेश की राजनीतिक संस्कृति का अपमान भी है।"

"राहुल गांधी की संगत का असर दिख रहा है"

पूर्व कांग्रेस नेता ने अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें लगता है कि "राहुल गांधी की संगत का असर" अखिलेश पर दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा, "पहले समाजवादी पार्टी की राजनीति में कुछ शालीनता होती थी, लेकिन अब राहुल गांधी की संगत का असर दिख रहा है। अब भाषा और आचरण दोनों में गिरावट नजर आ रही है।"

"विरोध जरूरी है, लेकिन मयार्दा भी उतनी ही अहम"

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि लोकतंत्र में असहमति और विरोध होना स्वाभाविक है, लेकिन यह मयार्दा और शिष्टाचार की सीमाओं में होना चाहिए। उन्होंने कहा, "राजनीति में प्रतिद्वंद्विता हो सकती है, परंतु व्यक्तिगत अपमान किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। मुलायम सिंह यादव ने जीवनभर इस परंपरा को निभाया, अब उसी संस्कृति को बचाने की जरूरत है।"

अखिलेश यादव के इस बयान को लेकर सियासी हलकों में बहस तेज हो गई है। बीजेपी नेता जहां इसे सपा की हताशा बता रहे हैं, वहीं अब अचार्य प्रमोद कृष्णम के बयान ने इस विवाद को और गरमा दिया है।

बिहार को और कितना लुटेंगे'? IRCTC मामले में BJP ने लालू परिवार पर बोला हमला

बिहार की राजनीति में सोमवार, 13 अक्टूबर को एक अलग ही भूचाल देखने को मिला जब IRCTC घोटाला मामले में लालू परिवार पर आरोप तय हुए। उसके बाद बिना देर किए भाजपा ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि घोटाले, सरकारी ठेकों में हेराफेरी और नौकरी का वादा करके लोगों की जमीन हड़पना ही राजद शासन का मॉडल है। केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि अदालत ने लालू परिवार पर जो आरोप लगाए हैं, वे बहुत गंभीर हैं। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव बिहार बदलने का दावा करते हैं, जबकि उनके खिलाफ धारा 420 के तहत धोखाधड़ी का केस कोर्ट ने फ्रेम किया है।

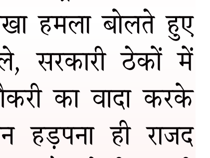

सीएम योगी आदित्यनाथ ने आयोजित कार्यक्रम के दौरान युवक एवं महिला मंगल दलों को प्रोत्साहन खेल सामग्री का वितरण किया

राष्ट्रीय युवा उत्सव-2025, यूथ पार्लियामेंट-2025 के विजेता प्रतिभागियों का सम्मान भी किया।

लखनऊ, (जीएनएस)। मुख्यमंत्री जी ने इस अवसर पर सांसद-विधायक खेल स्पर्धा एवं विकासखंड स्तर पर संचालित युवा संवर्धन केंद्रों का शुभारंभ किया। इसके साथ ही, सर्वोत्कृष्ट क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारियों को प्रशक्ति-पत्र भी प्रदान किए।

मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि खेल, व्यक्ति को स्वस्थ रखने का एक माध्यम है। हमने विगत 3 वर्षों में 500 से अधिक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के पदक विजेता खिलाड़ियों को उत्तर प्रदेश पुलिस और विभिन्न विभागों में सरकारी नौकरी उपलब्ध कराई है।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी आठ जोड़ी अनारक्षित फेस्टिवल स्पेलशल ट्रेनें

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दिवाली एवं छठ पूजा के त्यो,हारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा माँग को पूरा करने के उद्देश्य सेबांद्रा टर्मिनस–बरौनी, वलसाड–बरौनी, उधना–भागलपुर, उधना–समस्तीपुर, प्रताप नगर–कटिहार, प्रतापनगर–जयनगर, साबरमती–गोरखपुर और साबरमती–बेगूसराय स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर आठ जोड़ी अनारक्षित फेस्टिवल स्पे शल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 09079/09080 बांद्रा टर्मिनस झ बरौनीअनारक्षितस्पेशलट्रेन [26 फेरे]

ट्रेन संख्या 09079 बांद्रा टर्मिनसझ बरौनी अनारक्षित स्पेबशल ट्रेन प्रतिदिन बांद्रा टर्मिनस से 20:30 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 12:15 बजे बरौनी पहुँचेगी। यह ट्रेन 15 अक्टूबर से 27 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09080 बरौनी झ बांद्रा टर्मिनस अनारक्षित विशेष ट्रेन प्रतिदिन बरौनी से 15:05 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 11:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 17 अक्टूबर से 29 अक्टूबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, बोइसर, वापी, वलसाड, भेस्तान, चलथान, नंदुरबार, अमलनेर, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर और शाहपुर पटोरी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में जनरल सेकेंड क्लारस कोच होंगे।

2. ट्रेनसंख्या 09089/09090 वलसाड–बरौनीअनारक्षितस्पेशल [28 फेरे]

ट्रेन संख्या 09089 वलसाड–बरौनी अनारक्षित स्पेशल प्रतिदिन वलसाड से 12:50 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन06:05 बजे बरौनी पहुँचेगी। यह ट्रेन 14 अक्टूबर से 27 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09090 बरौनी–वलसाड अनारक्षित स्पेशल प्रतिदिन बरौनी से 11:00 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन04:30 बजे वलसाड पहुँचेगी। यह ट्रेन 16 अक्टूबर से 29 अक्टूबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में नवसारी, उधना, सायण, भरूच, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, उज्जैन, मक्सी, संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के अंतर्गत बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशन का दौरा किया गया

केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के निमार्णाधीन बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशन का दौरा किया। उनके साथ वलसाड के सांसद श्री धवल पटेल और गणदेवी के विधायक श्री नरेश पटेल भी थे।

इस दौरान, मंत्री ने बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशन पर चल रहे निर्माण और ट्रैक बिछाने के कार्यों की समीक्षा की।

अ. बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशन

बिलिमोरा शहर आम के बागानों के लिए प्रसिद्ध है। स्टेशन के फसाड का डिजाइन आम के बागानों से प्रेरित है, जो शहर की प्राकृतिक सुंदरता और स्थानीय पहचान को प्रतिबिंबित करता है। आंतरिक और प्लेटफॉर्म क्षेत्र को पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी और वेंटिलेशन के साथ डिजाइन किया गया है। फॉल्स सीलिंग को एंटी–वाइब्रेशन हैंगर से लगाया गया है ताकि ट्रेनों की तेज गति से होने वाले कंपन का असर फिटिंग्स पर न पड़े।

स्टेशन आधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित है, जैसे कि वेटिंग लाउंज, नर्सरी, शौचालय, रिटेल आउटलेट आदि। विभिन्न स्तरों पर सहज आवागमन के लिए कई लिफ्ट और एस्केलेटर लगाए जा रहे हैं, जिसमें वरिष्ठ नागरिकों, विकलांगों और बच्चों वाले परिवारों की आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान दिया गया है।

स्टेशन परिसर में हरियाली और ताजगीपूर्ण वातावरण बनाने के लिए पौधारोपण किया जा रहा है। यात्रियों की सुविधा के लिए पिक–अप और ड्रॉप–ऑफ जोन, बसों, कारों और दोपहिया वाहनों के लिए अलग पार्किंग, ईवी पार्किंग आदि की योजना बनाई गई है।

सुविधा और स्थिरता को मिलाते हुए, स्टेशन में क्ख्क्क्ष्उ (इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल) की कई विशेषताएँ शामिल की गई हैं, जैसे कि पानी का कुशल उपयोग, वर्षा जल संचयन, लो–फ्लो सैनिटरी फिटिंग्स, आंतरिक हिस्सों में कम गर्मी प्रवेश, कम वाष्पशील कार्बनिक यौगिक वाले पेंट आदि।

बिलिमोरा के पास केसली गाँव में, नवसारी जिले की अंबिका नदी के किनारे स्थित, यह स्टेशन विभिन्न परिवहन माध्यमों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है:

– बिलिमोरा रेलवे स्टेशन: 6 कि.मी.

– बिलिमोरा बस डिपो: 6 कि.मी.

– राष्ट्रीय राजमार्ग ठभ्–360: 2.5 कि.मी.

स्टेशन की मुख्य विशेषताएँ:

– कुल निर्मित क्षेत्रफल: 38,394 वर्ग मीटर

– स्टेशन भवन में दो स्तर शामिल हैं:

- ग्राउंड कम कांसॉर्स स्तर: पार्किंग, पिक–अप/ड्रॉप–ऑफ, पैदल यात्री प्लाजा, सुरक्षा जांच चौकियां, वेटिंग लाउंज, शौचालय, लिफ्ट, एस्केलेटर, सीढ़ियाँ, कियोस्क, टिकटिंग काउंटर आदि।
- प्लेटफॉर्म स्तर: दो प्लेटफॉर्म और चार ट्रैक
- हाई–स्पीड ट्रेनों के लिए 425 मीटर लंबा प्लेटफॉर्म

स्टेशन की प्रगति

रेल और प्लेटफॉर्म स्लैब कास्टिंग का कार्य तथा बिल्डिंग में स्ट्रक्चरल स्टील का कार्य पूरा हो चुका है। आर्किटेक्चरल फिनिशिंग और टएढ (मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और प्लम्बिंग) कार्य वर्तमान में प्रगति पर हैं।

इ. बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशन का ट्रैक निर्माण कार्य

बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशन पर आरसी ट्रैक बेड निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुके हैं और रेल लेइंग कार (फ्छउ) का उपयोग करके अस्थायी ट्रैक की स्थापना सक्रिय रूप से प्रगति पर है।

रेल लेइंग कार ट्रैक कंस्ट्रक्शन बेस (ळउइ) से 200–मीटर वेल्डेड रेल पैनलों को स्थापना स्थल तक ले जाने की सुविधा प्रदान करती है, जिससे रेल पैनलों को यांत्रिक रूप से संभालने और रखने में आसानी होती है और मानवीय हस्तक्षेप न्यूनतम होता है।

320 कि.मी./घंटा की गति पर ट्रेनों के निर्बाध संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सर्वेक्षण की सटीकता को सर्वोच्च महत्व दिया जाता है। उच्चतम विश्वसनीयता और सटीकता वाले अत्याधुनिक सर्वेक्षण उपकरण तैनात किए जाते हैं, और सभी सर्वेक्षण चरणों का बहु–स्तरीय सत्यापन किया जाता है। मामूली निर्माण भिन्नताओं की प्रभावी भरपाई के लिए रेफरेंस पिन (१ीी१ल्लू स्रल्ल) सर्वे और रिग्रेशन एनालिसिस विधियों को अपनाया जाता है।

बिलिमोरा स्टेशन में दो लूप लाइनें हैं, जिनमें चार 18 में से 1 टर्नआउट्स मूवेबल क्रॉसिंग्स के साथ और दो 18 में से 1 क्रॉसओवर्स शामिल हैं। मुख्य लाइन 12 में से 1 टर्नआउट के माध्यम से शाखाबद्ध होती है ताकि कन्फर्मेशन कार बेस को समायोजित किया जा सके।

उ. मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना की प्रगति (10 अक्टूबर 2025 तक)

भारत का पहला 508 कि.मी. लंबा बुलेट ट्रेन कॉरिडोर मुंबई और अहमदाबाद के बीच निमार्णाधीन है।

- 508 कि.मी. में से, 325 कि.मी. वायाडक्ट और 400 कि.मी. पियर का काम पूरा हो चुका है

श्री अश्विनी वैष्णव ने वलसाड में आरपीएफ स्थापना दिवस परेड में भाग लिया और अनुकरणीय सेवा के लिए पुरस्कार विजेता आरपीएफ कर्मियों को किया सम्मानित

मुंबई,

माननीय मंत्री ने भारतीय रेल में हो रहे व्यापक परिवर्तन पर प्रकाश डाला; आरपीएफ के लिए उन्नत तकनीकी उन्नयन और प्रशिक्षण पहल की घोषणा की

माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव 13 अक्टूबर, 2025 को आरपीएफ क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र, वलसाड में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की स्थापना दिवस परेड में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान, केंद्रीय मंत्री ने यात्रियों की जान बचाने में उनके साहसी प्रयासों के लिए 41 आरपीएफ कर्मियों को सम्मानित किया, जिन्हें सराहनीय सेवा के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पदक, जीवन रक्षा पदक आदि से सम्मानित किया गया था। ये पुरस्कार देश के रेलवे नेटवर्क की सुरक्षा में आरपीएफ की अनुकरणीय सेवा को दशार्ते हैं तथा बल के अन्य सदस्यों को नए जोश के साथ अपने समर्पित प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रेरित करेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने आरपीएफ परेड की औपचारिक सलामी भी ली, जो अनुशासन और प्रतिबद्धता का एक उल्लेखनीय प्रदर्शन था। मंत्री ने परेड के दौरान कर्मियों द्वारा प्रदर्शित अनुशासन, सटीकता और समर्पण के उच्च स्तर की सराहना की।

अपने संबोधन में श्री वैष्णव ने आरपीएफ कर्मियों को उनके स्थापना दिवस पर हार्दिक बधाई दी और यात्रियों एवं रेल संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने में उनके अटूट समर्पण और प्रतिबद्धता की सराहना की। मंत्री महोदय ने हाल ही में हुए महाकुंभ के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुरक्षित एवं सुगम यात्रा सुनिश्चित करने में आरपीएफ की उल्लेखनीय सेवा की भी सराहना की।

केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेल एक ऐतिहासिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। पिछले 11 वर्षों में, लगभग 35,000 किलोमीटर नई रेल पटरियाँ बिछाई गई हैं और 99% रेलवे नेटवर्क (लगभग 60,000 किलोमीटर) का विद्युतीकरण किया जा चुका है। वर्तमान में लगभग 150 वंदे भारत और 30 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें चल रही हैं, जो यात्रियों को विश्वस्तरीय यात्रा का अनुभव प्रदान करती हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1300 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिनमें से 110 स्टेशनों का उद्घाटन हो चुका है और शेष पर काम तेजी से प्रगति पर है।

उन्होंने आगे कहा कि त्योहारी सीजन की मांग को पूरा करने के लिए दिवाली और छठ के लिए रिकॉर्ड संख्या में 12,000 से अधिक विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं, जिससे सभी यात्रियों के लिए सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित हो रही है।

श्री वैष्णव ने अपने संबोधन में कहा कि कवच प्रणाली को दिल्ली–हावड़ा और दिल्ली–मुंबई जैसे प्रमुख मार्गों पर तेजी से लागू किया जा रहा है और यह उन्नत चरण पर है। कवच को 1200 इंजनों पर लगाया जा चुका है।

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री पर अस्थायी प्रतिबंध

मुंबई,

आगामी त्योहारी सीजन के दौरान होने वाली भारी भीड़ के मद्देनजर पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल मंडल के अंतर्गत चुनिंदा प्रमुख स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री पर अस्थायी प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया है। इसका उद्देश्य प्लेटफॉर्मों पर भीड़ को नियंत्रित करना और स्टेशन परिसर में यात्रियों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करना है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री पर प्रतिबंध 15 अक्टूबर 2025 से 31 अक्टूबर 2025 तक निम्नलिखित स्टेशनों पर लागू रहेगा:, बांद्रा टर्मिनस, वापी, उधना, सूरत

श्री विनीत ने आगे बताया कि वरिष्ठ नागरिकों, महिला यात्रियों, निरक्षर, दिव्यांगजनों या विशेष देखभाल की आवश्यकता वाले यात्रियों की सहायता करने वाले व्यक्तियों जैसे वास्तविक मामलों में आवश्यक छूट दी जाएगी, ताकि यात्रा में आसानी हो और असुविधा से बचा जा सके।

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों से अपील की गई है कि वे अपनी यात्रा की योजना तदनुसार बनाएँ और त्योहारों के दौरान सुरक्षा और व्यवस्थित भीड़ प्रबंधन के व्यापक हित में अस्थायी प्रतिबंध का पालन करके रेलवे कर्मचारियों के साथ सहयोग करें।

सामाजिक अनुसंधान को वैज्ञानिक अनुसंधान बनाने के लिए करना होगा यह काम, इस वजह से है जरूरी

(जीएनएस)।

कोयंबटूर, तमिलनाडु में पंचदिवसीय वर्कशॉप में दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय समाजशास्त्र विभाग मे डॉ. पवन कुमार के निर्देशन में पीएचडी कर रही छात्रा अर्चना यादव ने प्रतिभाग किया। उत्तर भारत से अकेली प्रतिभागी होने के कारण वहा सभी ने उसका मनोबल बढ़ाया और सराहना की।

वर्कशॉप के रिसोर्स पर्सन्स मुख्य रूप से डॉ. वी. सेल्वाराजू, सलाहकार, विश्व बैंक, विश्व स्वास्थ्य संगठन, नई दिल्लीउप निदेशक, सीडीईआर, कोयंबटूर–46 डॉ. पी. गीतारानी, प्रोफेसर, शैक्षिक योजना विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली, डॉ. मनोज अलगराजन, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रजनन एवं सामाजिक जनसांख्यिकी विभाग, अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान, मुंबई डॉ. हरिहर साहू, एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, परिवार एवं पीढ़ी विभाग, अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान, मुंबई थे।

इस वर्कशॉप में डेटा तथा डेटा जैसे लार्ज डेटा सेट्स को स्टेटिस्टिकल सॉफ्टवेयर जैसे SPSS

तथा STATA की मदद से विश्लेषण करना सिखाया गया। रिसर्च मेथोडालॉजी तथा इन डेटा सेट्स के प्रिपरेशन एवं डाटा एकत्रीकरण पर विवेचना करते हुए रिसोर्स पर्सन्स ने नीति निर्माण में इन डेटा सेट्स के महत्त्व की चर्चा भी की। साथ ही उन्होने कहा कि सामाजिक अनुसंधान को वैज्ञानिक अनुसंधान बनाने की दृष्टिकोण से रिसर्च मेथोडोलॉजी तथा इसके टूल,टेक्नीक की पर्याप्त ज्ञान की आवश्यकता है।

महायोगी गुरु श्रीगोरखनाथ शोधपीठ, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में दिनांक 16 एवं 17 अक्टूबर 2025 को कुलपति प्रो. पूनम टंडन के संरक्षण में द्विदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन "नाथ पंथ विश्वकोश निर्माण" विषय पर किया जाएगा। इस कार्यशाला के विवरणिका का विमोचन गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन तथा महायोगी गुरु श्रीगोरखनाथ शोधपीठ के उप निदेशक डॉ. कुशल नाथ मिश्र के द्वारा किया गया। कार्यशाला की विवरणिका का विमोचन करते हुए कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि यह कार्यशाला नाथ पंथ विश्वकोश के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। इस कार्यशाला में हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय मुख्य अतिथि होगें। इसमें देश के प्रतिष्ठित विद्वान आमंत्रित किए गए है।

कुंभ की थीम पर आधारित फैशन शो में मॉडलों ने किया अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन

आईएएस ऋतु सुहास बनी देवी लक्ष्मी

लखनऊ। सुल्तानपुर रोड स्थित होटल क्राउन प्लाजा में कुंभ पर आधारित एक फैशन शो का आयोजन किया गया। शो में अदिति जग्गी रस्तोगी के

रेशम, खादी और कढ़ाई के डिजाइनर कलेक्शन का प्रदर्शन किया गया। जिसमें कुंभ की कहानी के साथ 14 रत्नों की झलक दिखाई गई।रंग बिरंगे रेशम, खादी और कढ़ाई के डिजाइनर वस्त्रों को पहने मॉडल्स ने रैंप पर अपने जलवे बिखेरे।शो में विशेष रूप में आईएएस रितु व१ुल्ल ने

देवी लक्ष्मी के रूप में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। फैशन शो में शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

लुलु मॉल में मना वेडिंग उत्सव सीजन 3, शो स्टॉपर राही हिमांशी खुराना

लखनऊ, — लुलु मॉल लखनऊ ने एक बार फिर अपने वार्षिक 'Lulu Wedding Utsav' के तीसरे संस्करण का भव्य आयोजन किया। 9 से 12 अक्तूबर तक चले इस चार दिवसीय आयोजन में शहर के हजारों लोगों ने शिरकत की और वेडिंग फैशन व स्टाइल की दुनिया की एक शानदार झलक देखी।

हर दिन एक खास थीम को समर्पित रहा — हल्दी, मेहंदी, वेडिंग डे और इस बार एक बेहद खास "व्हाइट वेडिंग" थीम भी देखने को मिली। इवेंट में मॉल के प्रतिष्ठित स्टोर्स के साथ–साथ कई प्रसिद्ध वेडिंग आयोजकों और प्लानर्स ने भाग लिया।

लूलू वेडिंग उत्सव का प्रेजेंटिंग पार्टनर Neeru's के वेडिंग कलेक्शन लोगों को बहुत पसंद aaye, शो का आकर्षण रहीं सेलिब्रिटीज — हिमांशी खुराना, जिन्होंने 'बैंड–बाजा–बारात' थीम के साथ रॉयल एंट्री ली और Neeru's के ब्राइडल लुक में रैंप पर वॉक किया।

Ethnix by Raymond, Van Heusen, और Louis Philippe ने अपने क्लासिक और मॉडर्न मेल कलेक्शंस से वेडिंग थीम को स्टाइलिश टच दिया। वहीं, Taneria और Libas के रंग–बिरंगे ट्रेडिशनल ड्रेसेज ने हल्दी और मेहंदी जैसे फंक्शंस के लिए परफेक्ट वाइब क्रिएट की।

Tasva ने अपने एलिगेंट इंडो–वेस्टर्न कलेक्शन से ट्रेडिशन और ट्रेंड का खूबसूरत मेल पेश किया, जबकि Mohanlal & Sons के रिच शेरवानी और कुर्ता सेट्स ने ग्रूम फैशन को रॉयल फील दिया।

Meena Bazar, और Greenways की रॉयल साड़ियाँ और लहंगे दुल्हन के लुक को और निखारते दिखे, जो दिवाली जैसे फेस्टिव मौकों के लिए भी बेहतरीन ऑप्शन रहे।

Estele ब्रांड ने अपनी फैशन ज्वेलरी की आकर्षक रेंज शोकेस की, जिसने ट्रेडिशनल लुक को पूरा किया। जबकि Gitanjali Salon इस आयोजन का आधिकारिक मेकअप पार्टनर रहा, जहाँ 12th oct को लुलु लॉयल्टी ग्राहक के लिए आयोजित एक विशेष मेकअप मास्टरक्लास और स्टाइलिंग सेशन्स by Priya Khanna को खासा सराहा गया।

इस साल की सबसे खास बात यह रही कि प्रोफेशनल मॉडल्स और सेलिब्रिटीज के साथ–साथ JD Institute, Lucknow के स्टूडेंट्स ने भी अपने टैलेंट का प्रदर्शन किया। छात्रों ने खुद अपने लिए ब्रांड्स के आउटफिट को स्टाइल कर के पहना और रैंप पर आत्मविश्वास के साथ वॉक किया, जिससे लुलु मॉल की "लोकल टैलेंट को ग्लोबल प्लेटफॉर्म देने की पहल" और मजबूत हुई।

लुलु मॉल के रीजनल मैनेजर श्री समीर वर्मा ने कहा,

'Lulu Wedding Utsav अब सिर्फ एक इवेंट नहीं बल्कि लखनऊ के वेडिंग सीजन की पहचान बन गया है। हम हर साल कुछ नया और अनुभवात्मक देने की कोशिश करते हैं – जिससे लोग न सिर्फ खरीदारी करें, बल्कि यादगार पलों का हिस्सा भी बनें।'

इस आयोजन में लाइव एक्टिविटीज, मेकअप डेमो, फोटो बूथ और फैशन शोज के माध्यम से लुलु मॉल ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि वह केवल एक शॉपिंग डेस्टिनेशन नहीं, बल्कि लखनऊ की सांस्कृतिक और फैशन गतिविधियों का केंद्र भी है — जहाँ ग्लैमर, परंपरा और स्थानीय प्रतिभा को एक मंच पर लाया जाता है।

जोनल अधिकारी–सुपरवाइजर की मेहरबानी वाला 1300 वर्गमीटर का अवैध भवन सील

(जीएनएस)।

लखनऊ। सज्जाद बाग कॉलोनी में श्री शहबत अली खॉन और उनके साथियों द्वारा 1300 वर्गमीटर में निर्मित भव्य अवैध निर्माण को आज एक बार फिर सील करके एलडीए प्रवर्तन जोन–7 ने शहर में डंका पीट दिया है।

यह कोई मामूली सीलिंग नहीं है, बल्कि यह उस इमारत पर हुई है, जो कथित तौर पर एलडीए के पूर्व में तैनात जोनल अधिकारी, सहायक अभियंता और एक दागी सुपरवाइजर के पवित्र संरक्षण में पनप रही थी। यह वही भवन है जिस पर पहले भी कई मर्तबा रुकी सीलिंग यानी कागज पर खानापूर्ति की जा चुकी थी।

यानी, निर्माण करने वाले ने पैसा दिया, अधिकारियों ने आँखें मूँदीं, और

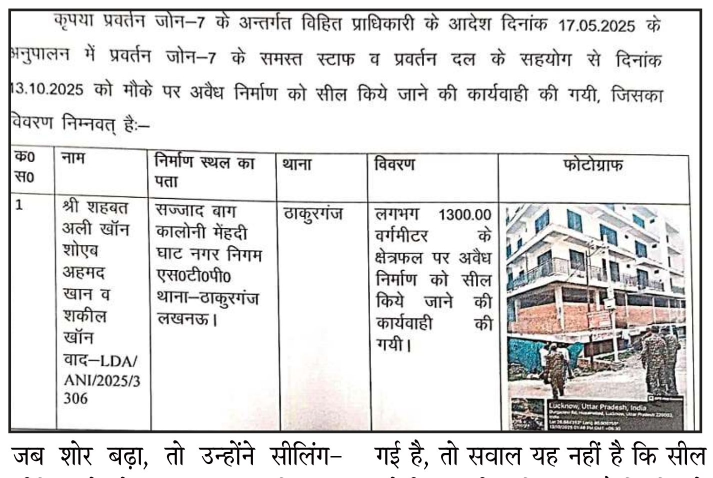

कृपया प्रवर्तन जोन–7 के अन्तर्गत विहित प्राधिकारी के आदेश दिनांक 17.05.2025 के अनुपालन में प्रवर्तन जोन–7 के समस्त स्टाफ व प्रवर्तन दल के सहयोग से दिनांक 13.10.2025 को मौके पर अवैध निर्माण को सील किये जाने की कार्यवाही की गयी, जिसका विवरण निम्नवत् है:–

क0 स0	नाम	निर्माण स्थल का पता	थाना	विवरण	फोटोग्राफ
1	श्री शहबत अली खॉन शोएब अहमद खान व शकील खॉन वाद–LDA/ANI/2025/3306	सज्जाद बाग कालोनी मेंहदी घाट नगर निगम एस0टी0पी0 थाना–ठाकुरगंज लखनऊ।	ठाकुरगंज	लगभग 1300.00 वर्गमीटर के क्षेत्रफल पर अवैध निर्माण को सील किये जाने की कार्यवाही की गयी।	Lucknow, Uttar Pradesh, India

जब शोर बढ़ा, तो उन्होंने सीलिंग–सीलिंग खेलने का नाटक कर दिया।

अब जब अंतिम सीलिंग हो चुकी है और जिम्मेदारी पुलिस को सौंप दी गई है, तो सवाल यह नहीं है कि सील टूटेगी या नहीं, बल्कि यह है कि कितने घंटे बाद टूटेगी?

सीलिंग की यह कार्रवाई महज एक सरकारी अनुष्ठान है, जो बिल्डर को कुछ घंटों का ब्रेक और जिम्मेदार अधिकारियों को कर्तव्यपरायणता का प्रमाण पत्र देती है। हमें अब उस पल का इंतजार है, जब सील टूटेगी और छउ्र–पुलिस एक–दूसरे पर दोष मढ़ने का अपना चिर–परिचित टिकरा–फोड़ खेल शुरू करेंगे।

यह सीलिंग अवैध निर्माण पर चोट नहीं, बल्कि भ्रष्ट तंत्र की मिलीभगत का एक औपचारिक ऐलान है, जिसके बाद इमारत पहले से भी ज्यादा गर्व से खड़ी हो जाती है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

चिदम्बरम का अनावश्यक बयान

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय गृह एवं वित्त मंत्री रहे पी. चिदम्बरम को लगता है कि 1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को ऑपरेशन ब्लू स्टार के बजाए भिण्डरावाले के साथी उग्रवादियों को पकड़ने के लिए दूसरा तरीका अपनाना चाहिए था। चिदम्बरम इतने पर ही नहीं रुके उन्होंने यहां तक कहा कि इंदिराजी ने गलत पैसला लिया था और इसकी कीमत उन्होंने अपनी जान देकर चुकाई।

दरअसल पी. चिदम्बरम यदि एक जिम्मेदार कांग्रेसी और महत्वपूर्ण सरकारी पद पर आसीन न होते तो उनकी इस बात का इतना महत्व नहीं था किंतु वह सार्वजनिक जीवन में निभा चुके जिम्मेदारियों का यदि सम्मान करते तो ऐसा बयान न देते। पहली बात तो यह कि 40 वर्ष पहले जो घटना घटी थी वह अपरिहार्य हो चुकी थी। भिण्डरावाले और उसके साथी अंतर्राष्ट्रीय षड्यंत्र के मोहरा बन चुके थे। दुर्भाग्य से जिस पुस्तक विमोचन के कार्यक्रम में चिदम्बरम ने अपना ज्ञान बांटा उसमें ऐसे वक्ता मौजूद थे जिन्होंने खुलकर इंदिराजी को पंजाब में उग्रवाद की समस्या के लिए इंदिराजी को यह कहकर जिम्मेदार नहीं ठहराया कि उन्होंने अकालियों को नियंत्रित करने के लिए भिण्डरावाले का इस्तेमाल किया बल्कि उन्होंने यह भी कहा कि इंदिराजी ने उग्रवाद को पंजाब में धार्मिक मुद्दा बना दिया।

हैरानी होती है कि ब्लू स्टार जो एक दुर्भाग्यपूर्ण पैसला इसलिए लिया गया था कि पानी सिर से ऊपर बहने लगा था और तत्कालीन सरकार की मुखिया इंदिराजी के सामने राष्ट्रीय अखंडता का जो मात्र ध्येय था उसी को प्रमुखता देते हुए उन्होंने पैसला लिया, आज उसका मूल्यांकन करने की जरूरत एक ऐसे नेता को करनी पड़ रही है जिसने अपनी बोलने लायक हैसियत कांग्रेस के बलबूते ही बनाई है। मीडिया में छपने और दिखने के लिए यदि पी. चिदम्बरम ने अपनी ऐसी अनावश्यक राय दी है तो इसके लिए उन्हें कांग्रेस क्षमा कर सकती है किंतु यदि वह सही में मानते हैं कि इंदिराजी ने गलत किया था तो इस व्यक्ति को या तो कांग्रेस से त्यागपत्र दे देना चाहिए अथवा उन्हें पार्टी से निकाल देना चाहिए।

चिदम्बरम को यह तथ्य नहीं भूलना चाहिए कि इंदिराजी ने जिस वक्त यह पैसला लिया और कार्रवाई का आदेश दिया, उस वक्त वह देश की सबसे लोकप्रिय नेता ही नहीं बल्कि संविधान की शपथ लेकर देश का मार्ग दर्शन कर रही थीं। पक्ष और विपक्ष में मात्र एक नेता चंद्रशेखर के अलावा किसी भी राजनेता ने इंदिराजी के ब्लू स्टार के पैसले की आलोचना नहीं किया था। चंद्रशेखर द्वारा स्वर्ण मंदिर में सेना की कार्रवाई की निंदा करने पर देश की आलोचना झेलनी पड़ी थी। पी. चिदम्बरम तो बड़े समझदार हैं, उन्हें मात्र इतना स्पष्ट करना चाहिए कि जिस उग्रवादी आंदोलन को पाकिस्तान के तत्कालीन सैन्य तानाशाह जिया-उल हक अपनी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा मानकर राष्ट्रीय रणनीति के तहत चल रहा था, क्या वह देश के खिलाफ कोई सामान्य षड्यंत्र था? चिदम्बरम की बातों का समर्थन करने वालों को एक बात और समझ लेना चाहिए कि ऑपरेशन ब्लू स्टार का भाजपा और आरएसएस के नेताओं का समर्थन हासिल था। यदि आज भाजपा को चिदम्बरम का बयान राजनीतिक कारणों से अच्छा लग रहा हो तो उन्हें उस वक्त के अखबार जरूर पढ़ने चाहिए जिसमें अटल जी, लाल वृष्ण आडवाणी, डॉ. मुरली मनोहर जोशी, नानाजी देशमुख, बाला साहब देवरस और रज्जू भैया के बयान इंदिरा जी के समर्थन में छपे थे। इंदिराजी को उस दिन संयुक्त राष्ट्र संघ के किसी कार्यक्रम स्विट्जरलैंड में भाग लेना था, किंतु उन्होंने भाजपा के तत्कालीन नेता अटल जी को बुलाकर पूरी बात की, उन्हें उक्त कार्यक्रम में भेज दिया।

बहरहाल अपना तो मानना है कि यदि ऑपरेशन ब्लू स्टार न होता तो जिया—उल हक की रणनीति सफल हो जाती और पंजाब हमारे हाथ से निकल जाता। इंदिराजी पैसला समय पर लेती थी और जब उन्होंने देखा कि पुलिस के बड़े अधिकारियों तक को स्वर्ण मंदिर में ढेर कर दिया जा रहा है तो कड़ा पैसला लेने के सिवा कोई और विकल्प था ही नहीं। कुल मिलाकर पी. चिदम्बरम को अल्ल-बल्ल बोलने से बचना चाहिए।

विकास सप्ताह : 14 अक्टूबर, कृषि विकास दिवस विकास सप्ताह के तहत गुजरात में 14-15 अक्टूबर को आयोजित होगा 'रबी कृषि महोत्सव-2025'

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और कृषि मंत्री श्री राघवजी पटेल पंचमहाल-गोधरा के छबनपुर गांव में करेंगे राज्यव्यापी शुभारंभ

कृषि मंत्री श्री राघवजी पटेल :-

- राज्य में 261 स्थानों पर आयोजित होने वाले जिला और तहसील स्तरीय कार्यक्रमों का मंत्री, सांसद और विधायक सहित पदाधिकारी करेंगे शुभारंभ
- महोत्सव में कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं के 5 लाख से अधिक लाभार्थियों को 500 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता वितरित की जाएगी
- दो दिवसीय रबी कृषि महोत्सव में गुजरात के 3 लाख से अधिक किसान लेंगे हिस्सा
- महोत्सव के दौरान विभिन्न स्थानों पर आयोजित होंगे निःशुल्क पशु स्वास्थ्य शिविर
- पूरे राज्य में कृषि से संबंधित कुल 2800 प्रदर्शनी स्टॉल लगाए जाएंगे

गांधीनगर, 13 अक्टूबर : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणादायी जनसेवा यात्रा के 24 वर्ष पूरे होने के अवसर पर समग्र गुजरात में 7 से 15 अक्टूबर के दौरान विभिन्न थीमों पर आधारित 'विकास सप्ताह' मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत 14 अक्टूबर को 'कृषि विकास दिवस' के रूप में मनाया जाएगा।

कृषि विकास दिवस के दौरान कृषि और किसान कल्याण विभाग की ओर से 14 और 15 अक्टूबर को 'रबी कृषि महोत्सव-2025' का आयोजन किया गया है, जिसका उद्देश्य किसानों को मौजूदा समय के अनुरूप कृषि पद्धतियों, टेक्नोलॉजी और नवीन दृष्टिकोण से परिचित कराना है। कृषि क्षेत्र और राज्य के किसानों को समर्पित 'कृषि विकास दिवस' के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और कृषि मंत्री श्री राघवजी पटेल पंचमहाल-गोधरा के छबनपुर गांव में राज्यव्यापी 'रबी कृषि महोत्सव-2025' का शुभारंभ करेंगे।

कृषि मंत्री श्री राघवजी पटेल ने रबी कृषि महोत्सव-2025 के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि विकास सप्ताह के तहत 14 और 15 अक्टूबर को राज्य में कुल 261 स्थानों पर जिला और तहसील स्तरीय रबी कृषि महोत्सव-2025 का आयोजन किया जाएगा। गुजरात सरकार के मंत्री, सांसद और विधायकों सहित विभिन्न पदाधिकारी और उच्च अधिकारी जिला और तहसील स्तरीय कार्यक्रमों का शुभारंभ करेंगे। इस दो दिवसीय रबी कृषि महोत्सव में गुजरात के लगभग 3 लाख से अधिक किसान हिस्सा लेंगे।

कृषि मंत्री ने कहा कि रबी कृषि महोत्सव के दौरान गुजरात सरकार राज्य के प्रगतिशील किसानों और पशुपालकों को विशेष रूप से सम्मानित करेगी। इसके अलावा, कृषि, बागवानी और पशुपालन विभाग की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 5 लाख से अधिक लाभार्थी किसानों को 500 करोड़ रुपए की सहायता के मंजूरी पत्र और सहायता आदेश का भी वितरण किया जाएगा। इतना ही नहीं, राज्य के कृषि वैज्ञानिक और कृषि विशेषज्ञ किसानों को उनके क्षेत्रों में रबी सीजन में उगाई जाने वाली फसलों के संबंध में तकनीकी मार्गदर्शन के अलावा प्राकृतिक खेती और बागवानी फसलों में नवीनतम टेक्नोलॉजी जैसे विभिन्न विषयों पर भी मार्गदर्शन देंगे। साथ ही, प्रगतिशील किसानों और किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के प्रतिनिधियों द्वारा भी विभिन्न विषयों पर वक्तव्य दिए जाएंगे।

इस महोत्सव में किसानों को रबी फसलों की बुवाई के लिए आधुनिक कृषि तकनीकों और प्राकृतिक खेती की पद्धति के संबंध में जागरूक करने के लिए फसल परिचर्चा, नई टेक्नोलॉजी पर आधारित कृषि प्रदर्शनी और किसान-उन्मुख विभिन्न सहायता योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा, राज्य की सभी तहसीलों में किसान प्राकृतिक कृषि के मॉडल फॉर्म का दौरा करेंगे। विशेषज्ञों एवं प्रगतिशील किसानों द्वारा खेती से जुड़ी किसानों की समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन दो दिनों के दौरान पशुपालन विभाग ने भी विभिन्न स्थानों पर निःशुल्क पशु स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया है, जिनका पशुपालक लाभ उठा सकते हैं।

कृषि मंत्री ने कहा कि रबी कृषि महोत्सव कार्यक्रम स्थलों पर प्रगतिशील किसानों के उत्पादों, प्राकृतिक खेती के आयामों, ड्रोन जैसी आधुनिक कृषि तकनीक, कृषि और मृदा परीक्षण तथा किसान उपयोगी अनुसंधानों सहित नए जमाने के उर्वरकों के इस्तेमाल को लेकर किसानों में जागरूकता पैदा करने वाली विभिन्न प्रदर्शनियों सहित कुल 2800 प्रदर्शनी स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत लैंड सीडिंग (भू-आलेखों का सत्यापन), किसान पंजीकरण के अंतर्गत ई-केवाईसी और स्व-पंजीकरण से संबंधित स्टॉल तथा कृषि यंत्रीकरण और कृषि प्रसंस्करण के यंत्रों एवं औजारों के स्टॉल भी शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान 2005 में कृषि महोत्सव की एक नई परंपरा शुरू की थी, ताकि कृषि वैज्ञानिक और विशेषज्ञ किसानों के साथ सीधे बातचीत कर उनकी समस्याओं का समाधान कर सकें और उन्हें उचित मार्गदर्शन प्रदान करने के साथ ही नई खेत पद्धतियों से अवगत करा सकें। कृषि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए शुरू की गई इस परंपरा को आज मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में कृषि मंत्री श्री राघवजी पटेल बेहतर तरीके से आगे बढ़ा रहे हैं।

वीजीआरसी के तहत आयोजित अंतरराष्ट्रीय बायर-सेलर मीट से ₹500 करोड़ की निर्यात संभावनाओं को मिला नया आयाम

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशंस

गांधीनगर, 13 अक्टूबर 2025: फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशंस (FIEO) और गुजरात सरकार द्वारा वर्ल्ड बैंक के फ्अटढ प्रोजेक्ट के तहत, गुजरात सरकार के टरटए विभाग और ऽठअ्ळ के सहयोग से एक अंतरराष्ट्रीय बायर-सेलर मीट का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 9-10 अक्टूबर 2025 को गणपत विश्वविद्यालय, मेहसाणा में वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (उत्तर गुजरात) के भाग रूप में आयोजित हुआ।

उद्योग प्रतिनिधियों की ओर से इस दो दिवसीय कार्यक्रम को शानदार प्रतिसाद मिला। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशंस (FIEO) और गुजरात सरकार के संयुक्त आयोजन में 9 से 10 अक्टूबर 2025 को मेहसाणा में अंतरराष्ट्रीय बायर-सेलर मीट सफलतापूर्वक आयोजित हुई। इस आयोजन में कुल 17 देशों ने भाग लिया, जिनमें प्रमुख देश अमेरिका, जर्मनी, रूस, संयुक्त अरब अमीरात, वियतनाम, मिस्र, इथियोपिया, घाना,

तंजानिया, युगांडा, भूटान, ओमान, बहरीन, नेपाल, उज्बेकिस्तान, यूक्रेन और बोत्सवाना शामिल थे।

कार्यक्रम में 40 अंतरराष्ट्रीय खरीदारों और गुजरात सहित भारत के विभिन्न हिस्सों से आए 850 से अधिक स्थानीय विक्रेताओं ने भाग लिया। दो दिनों में कुल 2,200 से अधिक व्यावसायिक बैठकों का आयोजन किया गया और 350 से अधिक समझौता ज्ञापनों (MoUs) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अंतरराष्ट्रीय मीट के परिणामस्वरूप लगभग ₹500 करोड़ से अधिक की एक्सपोर्ट एन्क्वारीज प्राप्त हुई, जिससे गुजरात की निर्यात संभावनाओं को नया प्रोत्साहन मिला।

डायरेक्टर जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड (DGFT) श्री अजय भादू (कऊर) और गुजरात सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSME) आयुक्त श्री संदीप जे. सागले ने बायर-सेलर मीट में उपस्थित होकर खरीदारों और विक्रेताओं दोनों से संवाद किया और वैश्विक व्यापारिक संबंधों को गति देने तथा गुजरात की निर्यात क्षमता को प्रोत्साहित करने के प्रयासों की सराहना की।

ऋक्षएड के अध्यक्ष श्री एस. सी. राल्हा ने बताया कि दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय बायर-सेलर मीट में वस्त्र, फार्मास्यूटिकल्स, रसायन, कृषि एवं फूड प्रोसेसिंग और इंजीनियरिंग गुड्स जैसे प्रमुख क्षेत्र केंद्र में रहे। यह आयोजन वैश्विक व्यापारिक संपर्कों को बढ़ाने और आपूर्ति श्रृंखला साझेदारी को सशक्त बनाने का एक प्रभावी माध्यम साबित हुआ। साथ ही, इसने गुजरात को एक अग्रणी निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विद्याज्ञान ने सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिए आवेदन की प्रक्रिया 100 प्रतिशत ऑनलाईन की

लखनऊ, 13 अक्टूबर 2025: भारत के ग्रामीण व प्रतिभाशाली बच्चों को विश्वस्तरीय शिक्षा प्रदान करने वाली लीडरशिप एकेडमी, विद्याज्ञान ने 2026-27 के शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए प्रिलिमिनरी प्रवेश परीक्षा 30 नवंबर, 2025 को उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड में विभिन्न केंद्रों पर आयोजित होगी। इसके लिए रजिस्ट्रेशन 25 अक्टूबर, 2025 तक चलेंगे।

विद्याज्ञान ने इस साल डिजिटल क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है क्योंकि प्रवेश की पूरी प्रक्रिया अब 100 प्रतिशत ऑनलाईन हो रही है, जिसने इसे बहुत सरल और तीव्र बना दिया है। प्रवेश के लिए आवेदन एक स्मार्टफोन या कंप्यूटर और इंटरनेट की मदद से सीधे विद्याज्ञान के एडमिशन पोर्टल ६६६.५ॅिं८ल्ल.ल्ल पर जाकर किया जा सकता है। प्रवेश परीक्षा ऑनलाईन हो जाने पर अब विद्यार्थियों को फिजिकल फॉर्म भरने या यात्रा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे उनकी सुविधा और सुरक्षा बढ़ेगी।

VIDYAGYAN
|| VIDYA PARAMAISHWARYAM ||

नई प्रक्रिया में आवेदकों की मदद करने के लिए विद्याज्ञान के कॉल सेंटर (1800-102-1784) और विभिन्न जिलों में ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर (बीएओ) के ऑफिसों द्वारा ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन में चरणवार सहायता प्रदान की जा रही है।

विद्याज्ञान स्कूल्स के डायरेक्टर, बिश्वजीत बनर्जी ने कहा, "भारत के गाँवों में असाधारण प्रतिभा और दृढ़ निश्चय वाले बच्चों की भरमार है। उनमें क्षमता की कमी नहीं है, बस उन्हें अवसर नहीं मिल पाते हैं। विद्याज्ञान की शुरूआत इसी में परिवर्तन लाने के लिए की गई थी। इस साल प्रवेश को ऑनलाईन करके हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के सबसे दूरदराज के इलाकों में भी हर परिवार के बच्चे आसानी से आवेदन कर सकें।"

चयन की प्रक्रिया तीन चरणों में होगी। पहले चरण में प्रिलिमिनरी लिखित परीक्षा होगी, जिसके बाद चयनित विद्यार्थियों को दूसरी लिखित परीक्षा में बैठना होगा। इसके बाद विद्यार्थियों और उनके परिवारों के साथ व्यक्तिगत बातचीत होगी।

प्रवेश के लिए आवेदन वो विद्यार्थी कर सकते हैं, जिनका नाम वर्तमान में किसी ग्रामीण स्कूल में कक्षा 5 में दर्ज है, तथा जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 3 लाख रुपये से अधिक नहीं है। आवेदकों के लिए उम्र की शर्त भी है। 12 साल या उससे कम उम्र की लड़कियाँ और 11 साल या उससे कम उम्र के लड़के ही प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। विभिन्न जिलों से पात्र विद्यार्थियों का चयन करने के लिए विद्याज्ञान का सहयोग उत्तर प्रदेश राज्य शिक्षा विभाग द्वारा किया जाता है।

विद्याज्ञान के पूर्वछात्र पिछले सालों में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, कॉर्नेल यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचुसेट्स एमहर्स्ट आदि संस्थानों में पढ़ने के लिए जा चुके हैं, और वो अमेजॉन, टीच फॉर इंडिया एवं भारतीय सेना आदि में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इससे ग्रामीण भारत में भविष्य के नेतृत्वकर्ता तैयार करने का संस्थान का मिशन प्रमाणित होता है।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जयंती पर मदरसों में विज्ञान प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी का किया जाय आयोजन – दानिश आजाद अंसारी

लखनऊ,

भारत रत्न, पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी की जयंती 15अक्टूबर2025 के अवसर पर उत्तर प्रदेश के समस्त मदरसों में विज्ञान प्रदर्शनी एवं संगोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा।

अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री श्री दानिश आजाद अंसारी ने प्रमुख सचिव को पत्र के माध्यम से बताया कि इस कार्यक्रम को बृहत रूप से मनाए जाने उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के प्रति रुचि बढ़ाना और डॉ. कलाम जी के वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं जीवन मूल्यों से उन्हें प्रेरित करना है।

उन्होंने कहा कि इस अवसर पर सभी मदरसों में विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी, जिसमें छात्र-छात्राएं अपने वैज्ञानिक मॉडल और प्रोजेक्ट प्रस्तुत करेंगे। साथ ही डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्राप्त महान उपलब्धियों पर आधारित संगोष्ठियों का भी आयोजन किया जाएगा।

राज्य मंत्री ने यह भी निर्देश दिए हैं कि कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाए तथा विज्ञान प्रदर्शनी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि डॉ. कलाम का जीवन हर विद्यार्थी के लिए प्रेरणास्रोत है। विज्ञान, तकनीक और मानवता के प्रति उनका दृष्टिकोण राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक मार्गदर्शक है।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सी. वी. आनंद बोस ने प्रो. डॉ. विश्वनाथ डी. कराड को एमआईटी-डब्ल्यूपीयू के 7वें दीक्षांत समारोह में 'गवर्नर अवॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस' से सम्मानित किया

13 अक्टूबर 2025: शिक्षा और वैश्विक शांति के क्षेत्र में उनके आजीवन योगदान की सराहना करते हुए, एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी (टक्ळ-हढव) के संस्थापक-अध्यक्ष प्रो. डॉ. विश्वनाथ डी. कराड को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सी. वी. आनंद बोस द्वारा 'गवर्नर अवॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस' से सम्मानित किया गया।

पुणे में आयोजित एमआईटी-डब्ल्यूपीयू के 7वें दीक्षांत समारोह में बोलते हुए राज्यपाल डॉ. बोस ने कहा, 'हर महान उपलब्धि एक दृष्टि से शुरू होती है, जिसे कर्म में परिवर्तित करना आवश्यक है। दृष्टि बिना कर्म के व्यर्थ है और कर्म बिना दृष्टि के दिशाहीन।'

शिक्षा की शक्ति पर बल देते हुए उन्होंने कहा, 'शिक्षा का अर्थ है मुक्ति, सशक्तिकरण और समृद्धि। विद्यार्थियों को जीवन भर सीखते रहने की भावना रखनी चाहिए और ज्ञान का उपयोग समाज परिवर्तन के साधन के रूप में करना चाहिए।'

एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी के 7वें दीक्षांत समारोह में विभिन्न संकायों के डिप्लोमा, स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के 6,837 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 114 स्वर्ण, 103 रजत और 103 कांस्य पदक दिए गए, जबकि 37 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। सुश्री श्वेता राजश्री अय्यर और सुश्री

वेदांगी गणेश पाटकर को क्रमशः संस्थापक अध्यक्ष पदक और कार्यकारी अध्यक्ष पदक से सम्मानित किया गया।

राज्यपाल डॉ. बोस ने प्रो. डॉ. विश्वनाथ डी. कराड की प्रशंसा करते हुए कहा, 'वे एक दूरदर्शी नेता हैं जिन्होंने अपने विचारों को कर्म के माध्यम से वास्तविकता में बदला। वर्ल्ड पीस डोम इस बात का प्रतीक है कि दृष्टि और कर्म का संगम किस तरह परिवर्तनकारी परिणाम दे सकता है। डॉ. कराड का जीवन और कार्य शिक्षा, शांति और मानवीय मूल्यों की प्रेरणादायक मिसाल है।'

इस अवसर पर प्रो. डॉ. विश्वनाथ डी. कराड ने कहा, 'यह दीक्षांत समारोह केवल एक शैक्षणिक उपलब्धि नहीं, बल्कि शांति और सद्भाव के हमारे मिशन की पुनर्पुष्टि है। आज के अनिश्चित और अशांत विश्व में सच्ची शिक्षा वही है जो विज्ञान, अध्यात्म और दर्शन को एक सूत्र में पिरोकर जागरूक मस्तिष्क और करुणामय हृदय का निर्माण करे। इसी समन्वय से हम समझ, आत्मचिंतन और स्थायी शांति पर आधारित संसार का निर्माण कर सकते हैं।'

विशेष अतिथि प्रो. डॉ. राम चरण ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, 'आज का दिन 'डे जीरो' है — आपके असली सफर की शुरूआत। अब तक आपके शिक्षक और कक्षाएं आपका मार्गदर्शन कर रही थीं, अब पूरी दुनिया आपका विश्वविद्यालय है। हर दिन कुछ नया सीखें, अपने जीवन का उद्देश्य खोजें, संबंध बनाएं, विश्वास अर्जित करें और मूलभूत सिद्धांतों में निपुणता हासिल करें। सफलता और संतोष उन्हें ही मिलता है जो अपने मन, चरित्र और कौशल को निरंतर विकसित करते रहते हैं।'

एमआईटी-डब्ल्यूपीयू के कार्यकारी अध्यक्ष श्री राहुल वी. कराड ने समारोह के समापन पर सभी अतिथियों, अभिभावकों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, 'सभी स्नातकों, स्वर्ण पदक विजेताओं और पुरस्कार प्राप्त करने वालों को हार्दिक बधाई। आज का दिन आपकी मेहनत और समर्पण का प्रतीक है।

हम माननीय राज्यपाल, हमारे कुलाध्यापक, संकाय सदस्यों और अभिभावकों के प्रति आभारी हैं। प्रो. डॉ. विश्वनाथ डी. कराड के दूरदर्शी नेतृत्व में, एमआईटी-डब्ल्यूपीयू ने विद्यार्थियों को न केवल ज्ञान प्रदान किया है बल्कि मूल्यों, समालोचनात्मक सोच और समस्या समाधान की भावना भी विकसित की है।

टीम भागवत लखनऊ पहुँची: अरशद वारसी और अक्षय शेरे ने केसरबाग कोतवाली पुलिस स्टेशन में मीडिया और पुलिस अधिकारियों से बात की!

अरशद वारसी और जितेंद्र कुमार अभिनीत भागवत का प्रसारण केवल जी5 पर 17 अक्टूबर को होगा, इस फिल्म का निर्देशन अक्षय शेरे और निर्माण जियो स्टूडियोज ने बवेजा स्टूडियोज और डॉग 'एन' बोन पिक्चर्स के सहयोग से किया है

लखनऊ, 13 अक्टूबर 2025: जी5 की ओरिजनल फिल्म भागवत के मुख्य किरदार, अरशद वारसी और निर्देशक, अक्षय शेरे का तहजीब और ऐतिहासिक कहानियों के शहर लखनऊ में भव्य स्वागत हुआ। इन दोनों ने केसरबाग पुलिस स्टेशन में पुलिस अधिकारियों और मीडियाकर्मियों से मुलाकात की। यहाँ पर एक विशेष फोटो शूट के साथ उन्होंने शहर में न्याय और कानून व्यवस्था की सराहना की।

भागवत सत्य घटनाओं पर आधारित फिल्म है। यह एक गंभीर और भावनाओं से भरी फिल्म है, जिसमें तफ्तीश के साथ रहस्यों, धोखे और मानव संघर्ष के गहरे राज खुलते हैं। यह फिल्म रॉबर्ट्सगंज, उत्तर प्रदेश के देहाती परिदृश्य में फिल्माई गई है, जिसमें न्याय, सहानुभूति और व्यक्तिगत अंतःकरण के बीच होने वाले नैतिक संघर्ष को दिखाया गया है।

अपनी यात्रा के दौरान अरशद और अक्षय ने बताया कि भागवत किस प्रकार वास्तविक दुनिया की समस्याओं, कानूनी संस्थाओं की सहानुभूति और सत्य की तलाश की मानवीय कीमत उजागर करती है। दोनों ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी न्याय व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की सराहना की।

अरशद वारसी ने कहा, 'लखनऊ मेरे दिल के करीब है। मेरी एक फिल्म थी 'सहर', जिसमें मुख्य किरदार 'एसएसपी अजय कुमार' की कहानी लखनऊ पर आधारित थी। एक और फिल्म 'डेढ़ इश्किया' की शूटिंग लखनऊ में हुई थी। इसलिए लखनऊ, यहाँ के लोगों और खाने से मेरी प्यारी यादें जुड़ी हुई हैं। इस बार, मैं इन पुलिस अधिकारियों से मुलाकात करके बहुत उत्साहित हूँ, जो शक्ति और अखंडता के प्रतीक हैं।

भागवत फिल्म में वास्तविक

मुख्य विकास अधिकारी ने पीएम सूर्यघर योजना के प्रगति की समीक्षा की

कार्य में लापरवाही बरतने एवं बैठक से अनुपस्थित रहने पर अधिशाषी अभियंता म्योहाल का वेतन रोके जाने के निर्देश

बैंक द्वारा समय से ऋण स्वीकृत न किए जाने पर जतायी कड़ी नाराजगी, पात्र लोगो का शीघ्रता से लोन स्वीकृत करने के दिए निर्देश

परियोजना अधिकारी नेडा पंजीकरण से लेकर स्मार्ट मीटर लगने तक प्रत्येक स्तर पर कार्य के प्रगति की करें मानीटरिंग

प्रयागराज 13 अक्टूबर।

मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को संगम सभागार में पीएम सूर्य घर योजना की प्रगति की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने पीएम सूर्य घर योजना से सम्बंधित वेण्डरों से बात करते हुए योजना से जुड़े हुए कार्यों की प्रगति तथा उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने परियोजना अधिकारी नेडा को पंजीकरण से लेकर स्मार्ट मीटर लगने तक प्रत्येक स्तर पर प्रगति की मानीटरिंग किए जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने प्रत्येक दिन सम्बंधित अधिकारियों के साथ वीसी के माध्यम से बैठक कर कार्य में प्रगति लाये जाने के निर्देश दिए है।

मुख्य विकास अधिकारी ने कार्य में लापरवाही बरतने एवं बैठक से अनुपस्थित रहने पर विद्युत विभाग के अधिशाषी अभियंता म्योहाल का वेतन रोके जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने पीएम सूर्य घर योजना के अन्तर्गत बैंकों में लंबित आवेदनों का त्वरित निस्तारण करते हुए आवेदनकर्ता को समय से ऋण उपलब्ध कराने के लिए कहा है। उन्होंने बैंक ऑफ बडौदा के नैनी, करछना एवं कोरांव के बैंक मैनेजरों द्वारा लोन स्वीकृत न किए जाने पर कड़ी नारागजी व्यक्त करते हुए पात्र लोगो के लोन शीघ्रता से स्वीकृत करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में शौर्य ऊर्जा को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत घरों में बिजली की आपूर्ति के लिए आवासीय घरों की छतों पर सौर पैनल लगाये जाने को सरकार बढ़ावा दे रही है।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि पीएम सूर्यघर योजना के तहत निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति कम है। उन्होंने लक्ष्य के सापेक्ष कार्य में प्रगति लाते हुए निर्धारित लक्ष्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए है। यूपी नेडा को इस योजना का आमजन के मध्य व्यापक प्रचार-प्रसार कराकर योजना से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी देने के लिए कहा है। इसके साथ ही उन्होंने सरकारी कार्यालयों एवं भवनों में भी सूर्यघर योजना के तहत सोलर पैनल लगाये जाने के लिए कहा है। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि आवेदन के पश्चात आवेदनकताओं को निर्धारित समयसीमा में सूर्यघर योजना के लाभ से आच्छादित किया जाना सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने इस योजना से जुड़े सभी सम्बंधित विभागों को सक्रियता के साथ कार्य करते हुए समय से कार्यों को पूर्ण कराये जाने के लिए कहा है। कहा कि कार्य में लापरवाही की शिकायत प्राप्त होने पर सम्बंधित के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी। इस अवसर पर विद्युत विभाग, यूपीनेडा व अन्य सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना की अनदेखी, सूडा के अफसरों की लापरवाही से अधूरा रह गया गरीबों का सपना

वर्षों से पक्के घर की आस में गरीब परिवार – बरसात में टपकती छतें, दीवारों से झरता प्लास्टर, अफसरों की चुप्पी बनी रहस्यमय

(एजेंसी)।

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना (ढटअ) का मकसद था कि हर गरीब के सिर पर एक पक्की छत हो। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश भर के हजारों गरीब परिवार अब भी अपने पक्के घर के सपने को पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं। सूडा (रवऊअ) और डूडा (ऊवऊअ) के जिम्मेदार अफसरों की लापरवाही और सुस्ती ने इस योजना को कागजों तक सीमित कर दिया है। बरसात में टपकती छतें, फिर भी नहीं पसीजे अफसर कई परिवारों के कच्चे मकानों की दीवारें अब कमजोर हो चुकी हैं। बरसात में छतों से पानी टपकता है, दीवारों से झड़ता प्लास्टर गिरने से बच्चों और बुजुर्गों की जान जोखिम में रहती है। लाभार्थी बताते हैं कि उन्होंने करीब दो साल पहले डूडा कार्यालय में ऑनलाइन आवेदन किया था। जांच के बाद उन्हें योजना के तहत पात्र बताया गया, पर अनुदान राशि आज तक नहीं मिली। स्थानीय निवासी रामकिशन, जो रिक्शा चलाकर अपना परिवार पालते हैं, बताते हैं ह्लदो साल पहले आवेदन किया था, सब दस्तावेज जमा किए, लेकिन अब तक एक रुपया नहीं मिला। बरसात में घर टपकता है, बच्चे भीग जाते हैं, पर कोई सुनने वाला नहीं।ह्व ढटअ 2.0 के नाम पर फिर से आवेदन, लेकिन नतीजा ह्लशून्यह्व 2024 में प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 की नई गाइडलाइन आने के बाद सभी लाभार्थियों को पुनः आवेदन करना पड़ा। उम्मीद थी कि संशोधित सूची के बाद राहत मिलेगी, पर 11 महीने बीत जाने पर भी किसी को स्वीकृति नहीं मिली। सूत्रों का कहना है कि लखनऊ समेत कई जिलों में सूडा द्वारा लाभार्थियों की सूची तैयार कर ली गई थी, मगर ह्लअनुदान वितरणह्व का आदेश अब तक जारी नहीं किया गया। अधिकारियों का जवाबः ह्लट्रायल चरण में है मामलाह्व जब इस विषय पर सूडा की निदेशक अपूर्वा दूबे से पत्रकारों ने बातचीत की, तो उन्होंने कहा ह्लयह मामला ट्रायल चरण में है, एक महीने के भीतर लाभार्थियों को अनुदान राशि उपलब्ध करा दी जाएगी।ह्व लेकिन एक महीना बीत जाने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। न किसी लाभार्थी को पैसा मिला, न कोई सूचना जारी हुई जनता में रोष, भरोसे पर उठ रहे सवाल लाभार्थियों का कहना है कि अगर उन्हें समय पर अनुदान राशि मिल गई होती, तो आज उनके मकान पक्के बन चुके होते। ह्लप्रधानमंत्री जी ने गरीबों को पक्का घर देने का सपना दिखाया था, पर अधिकारियों की लापरवाही ने इस योजना को मजाक बना दिया,ह्वऐसा कहना है क्षेत्र की एक महिला लाभार्थी सावित्री देवी का। अफसरशाही की धीमी गति से चरमराई योजना सूडा और डूडा विभागों में फाइलें महीनों तक पड़ी रहती हैं। लाभार्थियों की शिकायतें सुनने वाला कोई नहीं। कई जिलों में तो अभी तक दूसरी किस्त के लिए भी प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। सूत्र बताते हैं कि कई जगहों पर पात्रता सूची में भी गड़बड़ी के आरोप लग रहे हैं प्रधानमंत्री का सपना, जनता की उम्मीद और अफसरों की अनदेखी प्रधानमंत्री ने कहा था ह्ल2022 तक हर गरीब के पास पक्का घर होगा।ह्व लेकिन 2025 में भी हजारों परिवारों की छतें अब भी टपक रही हैं। सरकारी रिपोर्टों में दिखाए गए निर्माण कार्य और जमीनी हकीकत में भारी अंतर है। जनता पूछ रही है क्या यह योजना वाकई गरीबों के लिए बनी थी या अफसरों के लिए आंकड़े जुटाने का साधन? लोगों का कहना है कि सरकार की यह योजना तभी सफल होगी जब अफसरों को जवाबदेह बनाया जाएगा और लाभार्थियों को समय पर उनका अधिकार मिलेगा फिलहाल, गरीबों का पक्का घर अब भी ह्लसरकारी फाइलोंह्व में कैद है और उनके सपने बरसात के पानी के साथ हर साल बह जाते हैं।

अमित शाह 16 से 18 अक्टूबर तक बिहार का दौरा करेंगे, रैलियों में भरेंगे चुनावी हुंकार

(एजेंसी)।

बिहार में विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। एनडीए में सीटों के बंटवारे के बाद भाजपा टिकट और सीटों के बंटवारे के साथ जमकर चुनावी तैयारियों में जुट चुकी है। भाजपा को जीत दिलाने के लिए गृह मंत्री अमित शाह ने कमर कस ली है।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह 16 से 18 अक्टूबर तक बिहार का दौरा करेंगे। इस दौरान वे चुनावी रणनीति पर मंथन के साथ-साथ रैलियों को भी संबोधित कर सकते हैं।

बिहार बीजेपी अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बताया कि अमित शाह का तीन दिवसीय बिहार दौरा प्रस्तावित है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि 15 से 18 अक्टूबर के बीच एनडीए के सभी प्रत्याशियों का नामांकन होगा। इस दौरान केंद्रीय और राज्य सरकार के मंत्री तथा एनडीए के वरिष्ठ नेता नामांकन कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

चुनावी तैयारियों की समीक्षा करेंगे

गृह मंत्री अमित शाह अपने दौरे में

एनडीए की चुनावी तैयारियों की समीक्षा करेंगे और बीजेपी की रणनीति को मजबूत करने पर जोर देंगे। संभावना है कि वे कई चुनावी सभाओं को भी संबोधित करेंगे। इससे पहले सितंबर में भी शाह दो बार बिहार का दौरा कर चुके हैं, जहां उन्होंने विभिन्न रैलियों में हिस्सा लिया था।

पीएम मोदी की भी करेंगे कई रैलियां

जायसवाल ने यह भी बताया कि आगामी दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कई रैलियां बिहार में प्रस्तावित हैं। इसके अतिरिक्त, केंद्रीय मंत्री और बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी चुनाव प्रचार के लिए बिहार आएंगे। यह सब एनडीए के प्रचार अभियान को धार देने के लिए किया जा रहा है।

एनडीए में सीटों के बंटवारे में किसको मिली कितनी सीटें?

एनडीए में सीटों का बंटवारा हो चुका है, जिसमें नीतीश कुमार की जेडीयू और बीजेपी 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं। वहीं, चिराग पासवान की लोजपा-आर को 29 सीटें, जीतन राम मांझी की 'हम' को 6 सीटें और उपेंद्र कुशवाहा की रालोमो को भी 6 सीटें मिली हैं।

एनडीए के सभी पांच सहयोगी दलों के प्रत्याशियों के नाम की घोषणा मंगलवार को होने की उम्मीद है। इसकी पुष्टि भी बिहार बीजेपी अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने की है। यह चुनाव प्रचार और उम्मीदवारों के नामांकन के बीच गठबंधन की रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की कथित आत्महत्या पर विपक्ष ने सरकार की आलोचना की

(एजेंसी)।

विपक्षी नेताओं ने आईपीएस अधिकारी वाई पुरान कुमार की कथित आत्महत्या के बाद हरियाणा सरकार की आलोचना तेज कर दी है। वे उनके अंतिम नोट और उनकी पत्नी द्वारा उन्हें प्रताड़ित करने के आरोपी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज कराई गई पुलिस शिकायत के आधार पर त्वरित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अधिकारी के परिवार से मिलने की योजना बना रहे हैं, जिससे राजनीतिक तनाव और बढ़ जाएगा।

आठ पृष्ठों के एक नोट में, कुमार ने हरियाणा डीजीपी शत्रुजीत कपूर और पूर्व रोहतक एसपी नरेंद्र बिजारनिया सहित आठ वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों पर जाति-आधारित भेदभाव और उत्पीड़न का आरोप लगाया। उनकी पत्नी, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अमिनीत पी कुमार ने मांग की है कि कपूर और बिजारनिया को कथित तौर पर उनके पति को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में प्राथमिकी में नामजद किया जाए।

अधिकारी के परिवार ने अपनी मांगों को पूरा होने तक पोस्टमार्टम और अंतिम संस्कार की सहमति देने से इनकार कर दिया है। अधिकारी पोस्टमार्टम की अनुमति देने के लिए अमिनीत पी कुमार को मनाने की कोशिश कर रहे हैं। चंडीगढ़ पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि उन्होंने परिवार से जांच के लिए मृतक का लैपटॉप सौंपने का अनुरोध किया है।

केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने परिवार से मुलाकात की और कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है। हालांकि, उन्होंने परिवार से पोस्टमार्टम की अनुमति देने का आग्रह किया। अठावले ने उल्लेख किया कि उन्होंने मुख्यमंत्री से बात की, जिन्होंने जापान यात्रा से लौटने के बाद परिवार से मुलाकात की थी।

देवा मेला क्षेत्र का मंडलायुक्त व आईजी ने किया निरीक्षण

सुरक्षा, यातायात व महिला सुरक्षा व्यवस्थाओं के संबंध में दिए निर्देश

(एजेंसी)।

बाराबंकी, 13 अक्टूबर 2025: मण्डलायुक्त राजेश कुमार एवं पुलिस महानिरीक्षक प्रवीण कुमार का सोमवार को जनपद के देवा मेला परिसर में आगमन हुआ। इस अवसर पर जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी एवं पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय द्वारा दोनों वरिष्ठ अधिकारियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।

अधिकारियों द्वारा किया गया मेला क्षेत्र का भ्रमण

अधिकारियों ने मेला क्षेत्र का भ्रमण कर संपूर्ण व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण, पार्किंग, विद्युत सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा सहित अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंडलायुक्त व आईजी ने कहा कि मेला क्षेत्र में विद्युत तारों व उपकरणों की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे। खाद्य सुरक्षा के दृष्टिगत मेला क्षेत्र में बिकने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर सतर्क निगरानी रखी जाए और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही, भीड़ प्रबंधन को प्रभावी ढंग से संचालित करते हुए यातायात व्यवस्था को

सुचारू रखा जाए तथा पार्किंग स्थलों को व्यवस्थित तरीके से संचालित किया जाए ताकि श्रद्धालुओं व आगंतुकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। अधिकारियों ने मेला क्षेत्र में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और चिन्हित पार्किंग स्थलों पर सभी आवश्यक सुविधाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिला सहायता केंद्र का किया अवलोकन

निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त व आईजी ने मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत स्थापित महिला सहायता केंद्र का भी अवलोकन किया तथा वहां उपस्थित महिलाओं से संवाद कर उनकी सुरक्षा एवं सुविधा से संबंधित जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने कहा कि महिला सहायता केंद्र महिलाओं के लिए सुरक्षा, परामर्श और त्वरित सहायता का प्रमुख माध्यम बने और इसकी गतिविधियों को और सशक्त बनाया जाए ताकि मेला क्षेत्र में आने वाली महिलाओं को सुरक्षा और सहयोग का अनुभव हो।

मेला व्यवस्था में तैनात अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

भ्रमण के उपरांत मंडलायुक्त एवं आईजी ने मेले को सुचारू व सुरक्षित रूप से सम्पन्न कराने हेतु तैनात सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेटों तथा उनके काउंटरपार्ट पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने मेला क्षेत्र में की गई प्रशासनिक तैयारियों की जानकारी दी, वहीं पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित बिंदुओं का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन, एडीएम (एफ.आर.) अरुण कुमार सिंह, एडीएम (न्यायिक) राजकुमार यादव, अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) विकास चंद्र त्रिपाठी, जॉइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम रामनगर सुश्री गुंजिता अग्रवाल, जॉइंट मजिस्ट्रेट तेजस के, एसडीएम सदर आनंद तिवारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

"टीम लखनऊ" का देवा शरीफ में काशान ए.वारिस ने किया भव्य स्वागत व सम्मान

पंजाब और हिमांचल के दुर्गम जगहों पर पहुंचकर आपदा पीड़ितों तक टीम लखनऊ ने पहुंचाई थी मदद

लखनऊ।आपदा पीड़ितों तक कई टन सामान तथा जरूरत की अहम चीजें पहुंचा कर इतिहास रच चुकी टीम "टीम लखनऊ" पंजाब के कई गांव में मदद पहुंचाने के उपरान्त बगैर थके हिमाचल की दुर्गम पहाड़ियों के इर्द गिर्द आबादी में भी जाकर मदद पेश करी, जिससे "टीम लखनऊ" ने पूरे लखनऊ का मान बढ़ा दिया।वापसी आने पर मुतुर्जा अली, कुदरत उल्ला खान, अब्दुल वहीद, जुबैर अहमद, वामिक खान, और जसबीर गांधी, जैसी हस्तियों का जगह जगह सम्मान किया जा रहा है।उसी क्रम में देवा शरीफ स्थिति काशान ए.वारिस में संस्थान के अध्यक्ष अरशद मुर्तजा वारसी तथा महासचिव मोहम्मद इमरान ने टीम का सम्मान करने के लिए टीम के लोगों को आमंत्रित किया,

जहां टीम लीडर मुर्तजा अली, संस्थापक सदस्य अब्दुल वहीद, जसबीर सिंह गांधी को दुशाल ओढ़ाकर, माला पहना कर तथा स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य लोगों ने टीम के सभी सदस्यों की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा सच में "टीम लखनऊ" ने वो हैरत अंगेज काम को अंजाम दिया है जिसको लोग हमेशा याद रखेंगे।

अध्यक्ष अरशद वारसी ने कहा हम लोगों के पास दुआ करने और देने के सिवा क्या है, और जहां से पूरा मुल्क दुआ लेने आता हो उस जगह से आपको दुआ देने से बेहतर क्या होगा इसीलिए हजरत वारिस अली शाह रह० की सरजमीं पर आपको दुआएं देने और सम्मानित करने के लिए आमंत्रित किया है।"टीम लखनऊ" के

टीम लीडर मुर्तजा अली और अब्दुल वहीद ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए सबका शुक्रिया अदा किया, साथ ही कहा कि हम लोग भी अल्लाह का शुक्र अदा करते हैं जो उसने हम लोगों को इस काम के लिए चुना।

जौनपुर में आरसीडीएयूपी की प्रदेश स्तरीय बैठक संपन्न

ऑनलाइन दवा व्यापार पर रोक लगाने की उठी मांग, दवा व्यापारियों की एकजुटता दिखी

(एजेंसी)।

लखनऊ। जौनपुर क्षेत्र के रिटेल केमिस्ट एंड डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन (RCDAUP) की प्रदेश स्तरीय बैठक एवं कार्यशाला का सफल आयोजन सोमवार को जनपद जौनपुर स्थित होटल द गोल्डन ट्री में किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के लगभग सभी जिलों से पदाधिकारी एवं दवा व्यापारी उपस्थित रहे। बैठक में फळऊअवढ के महामंत्री श्री राजेंद्र सैनी, दवा विक्रेता समिति लखनऊ के महामंत्री श्री सी.एम. दुबे एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री रितेश आनंद ने विशेष रूप से शिरकत की। कार्यशाला में दवा व्यापारियों के हितों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें बढ़ते हुए ऑनलाइन दवा व्यापार, पोर्टल में आ रही तकनीकी समस्याएं, नकली दवाओं का प्रसार और दवा कंपनियों द्वारा एक्सपायरी अवधि बढ़ाने जैसे गंभीर विषय शामिल रहे। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों और दवा व्यापारियों ने एकजुट होकर यह संकल्प लिया कि प्रदेश में दवा व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा। साथ ही, शासन-प्रशासन से यह मांग की गई कि ह्लप्रदेश के सभी दवा व्यापारियों के शोषण पर रोक लगाई जाए, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो तथा ऑनलाइन दवा व्यापार को प्रतिबंधित किया जाए।ह्व इस भव्य आयोजन की सफलता के लिए जौनपुर जिला एसोसिएशन को फळऊअवढ पदाधिकारियों ने हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया।

म्यूजिक फायर ग्रुप की भव्य नृत्य प्रस्तुतियों ने देवा महोत्सव को बनाया यादगार

(एजेंसी)।

बाराबंकी। देवा महोत्सव के सांस्कृतिक मंच पर सोमवार की शाम म्यूजिक फायर ग्रुप ने विविध नृत्य शैलियों के माध्यम से दर्शकों का मन मोह लिया। ममता सिंह के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत जोश और उमंग से भरे पंजाबी फोक डांस से हुई, जिसने उपस्थित दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद बॉलीवुड मेडले में आधुनिक और पारंपरिक गीतों का मनोरंजक संगम पेश किया गया। तीसरी प्रस्तुति कत्थक नृत्य थी, जो 'राम कथा' पर आधारित थी और भक्ति व भावनाओं का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करती दिखी। कार्यक्रम का समापन सूफी थीम डांस 'भर दो झोली या मोहम्मद' से हुआ, जिसने अध्यात्म और शांति का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में अजय बिष्ट, सुधांशु मिश्रा, अविनाश सिंह, शिवम यादव, राहुल, शिवा, अंजली, दर्शिका, आस्था, पूजा और जिज्ञासा ने भाग लिया। म्यूजिक फायर ग्रुप की प्रस्तुतियों ने देवा महोत्सव के मंच पर एक यादगार सांस्कृतिक अनुभव प्रदान किया। इस अवसर पर मेला समिति के सचिव/एडीएम वित्त एवं राजस्व अरुण कुमार सिंह, नायब तहसीलदार अभिषेक कुमार, आशुतोष उपाध्याय, सीओ संगम लाल आदि द्वारा प्रतिभागी कलाकारों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने दुगार्पुर सामूहिक बलात्कार पीड़िता को पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया

(एजेंसी)।

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के दुगार्पुर की 23 वर्षीय सामूहिक बलात्कार पीड़िता तक पहुँचकर व्यापक समर्थन का वादा किया। पीड़िता, जो एक निजी मेडिकल कॉलेज में द्वितीय वर्ष की एमबीबीएस छात्रा है, पर कथित तौर पर शुक्रवार शाम को एक पुरुष मित्र के साथ रात के खाने से लौटते समय कम से कम पांच व्यक्तियों ने हमला किया था।

माझी ने पीड़िता की माँ और ओडिशा राज्य महिला आयोग (डरउह) की अध्यक्ष शोभना मोहंती से भी बात की, जो अस्पताल में मौजूद थीं। इस बातचीत का एक वीडियो मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा साझा किया गया। माझी ने पीड़िता को ओडिशा सरकार के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया, उसे साहस के साथ स्थिति का सामना करने के लिए प्रोत्साहित किया और उसकी आगे की शिक्षा के लिए सहायता का वादा किया।

मुख्यमंत्री ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने पीड़िता को सलाह दी कि वह उन अधिकारियों के साथ अपनी समस्याओं पर चर्चा करे जो उससे मिलने दुगार्पुर गए थे। जब उसने ओडिशा के एक मेडिकल कॉलेज में स्थानांतरण का अनुरोध किया, तो माझी ने कहा कि वह संभावना की जांच करेंगे, क्योंकि वह वर्तमान में एक निजी संस्थान में नामांकित है।

माझी ने पूछा कि क्या परिवार ने अपनी चिंताओं से पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस को अवगत कराया था, जो उसी दिन उनसे मिलने गए थे।